प्रतिभा
प्रतिबद्धता
विकास की

# NAVRATAN

## Foundations (Regd.) NOIDA

(An Organisation for upliftment of unseen talent)

# 2023

# समर्पण

www.navratanfoundations.com

Working for upliftment of
economically weaker women

## ASTITVA 01

An informal child education centre
for under priviledged children

## NAVRATAN GYANPEETH 02

Recognizing and honoring unseen
talent in social/cultural/education

## SAMARPAN 03

Committed for 100% women
literacy in Noida

## EDUCATED WOMEN-DEVELOPED INDIA 04

Computer Education for
economically weaker section

## COMPUTER CENTRE 05

Charitable Physiotherapy Centre
for Senior Citizens

## PHYSIOTHERAPY CENTRE 06

# गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# अध्यक्ष की कलम से....

यह हम सब जानते हैं की जीवन में संघर्ष का सबसे अहम स्थान है, जिसने संघर्ष का निर्भीकता से सामना कर लिया उसके लिए जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति के मार्ग प्रशस्त हो जाते हैं, गत 21 वर्षों में अनेक संघर्षों के अनुभवों के पश्चात एवं ईश्वरीय अनुकम्पा के साथ नवरत्न व्यापक रूप से और विस्तार कर रहा है वर्तमान में करीब 35 महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, 6 प्रौढ़ महिला शिक्षण केंद्र, एक फिजियोथेरेपी सेन्टर, एक आर्थिक रूप से कमज़ोर बच्चों की निशुल्क शिक्षा के लिए नवरत्न ज्ञानपीठ और आठ कंप्यूटर शिक्षण केंद्र के साथ राष्ट्र एवं समाज की सेवा में निरंतर, तटस्थता के साथ कार्य कर रहा है. कोरोना विभीषिका को पूरे विश्व ने झेला है इस के तीन वर्षों ने आम आदमी के दिलो दिमाग पर भयंकर असर डाला है और उसका असर धीमे धीमे सामने आ रहा है. यही समय जब हमको चेतना है, अभी से अपने वर्तमान पीढ़ी के साथ अगली पीढ़ी पर इसका असर देखने को मिल रहा है. कैसे मानसिक दबाव एवं मानसिक असंतुलन से लोगों को उबार कर उनमे व्याप्त भय को दूर कर जिंदगी को खुशनुमा बनाया जाए, इस आज के समय की मांग को देखते हुए नवरत्न ने एक प्रकल्प प्रारम्भ किया है "दयारानी मेंटल वेलनेस" जो की 'दयारानी वेलनेस एडवाइजरी" के साथ लोगों को विषम मानसिक परिस्थितयों पर विभिन्न पहलुओं पर कार्य कर उससे उबारने का कार्य करेगी..इसकी शुरुआत हो गयी है इसमें पहल लेने का कार्य किया है नवरत्न की ट्रस्टी श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव जी ने।

कौशल विकास एवं कंप्यूटर हमारी जिंदगी का अटूट हिस्सा बन गया है, कंप्यूटर की सही शिक्षा सबको उपलब्ध हो इसके लिए हम प्रयासरत हैं की जिला गौतम बुद्ध नगर के प्रत्येक स्लम, गाँव एवं शहर में कंप्यूटर शिक्षण केन्द्रों का स्थापित कर हर व्यक्ति को इसका भरपूर उपयोगी ज्ञान दिया जाए इसके लिए हम प्रयासरत सदैव रहेंगे। लक्ष्य तो अंतहीन हैं लेकिन अभी फ़िलहाल शिक्षा एवं कौशल विकास पर हमको केन्द्रित होना है क्योंकि चाहे राष्ट्र हो या फिर समाज उसकी चहुमुंखी प्रगति का आधार ज्ञान ही होता है।

हमारे इस कार्य में जिस जिस का भी बहुमूल्य सहयोग मिला है उनके हम सदा आभारी हैं और रहेंगे. अतः हमारे दान दाताओं को बारम्बार प्रणाम है..

इसी आशा एवं पूर्ण प्रतिबद्धता के निर्वहन के आश्वासन के की गतिशीलता ही हमारी पहचान और जिंदगी रहेगी।

*आप सबको सादर नमन*

# आशीर्वाद–मुख्य संरक्षक

कहते हैं कि मानव के मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए 100 वर्ष भी कम है लेकिन शारीरिक विकास 25 वर्ष तक पूरा हो जाता है। 'नवरत्न' अब 21 वें वर्ष में है। अभी ओर विकास करना है, अपने द्वारा स्थापित योजनाओं के क्रियान्वयन में। नवरत्न की सोच का आयाम तो निरन्तर प्रगतिशील रहेगा क्योंकि वह तो अनवरत् चलने वाली प्रक्रिया है।

अपने संकल्पित पथ पर चलते हुए 'नवरत्न' के लिए गौरव का विषय है कि अपने संकल्पित आदर्श से समझौता नही किया, पथ से भटका नही ओर हद प्रतिज्ञ होकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु निरन्तर सक्रिय रहा। कहतें हैं कि ईश्वर भी ऐसे संकल्पित संस्थाओं को राह दिखाता है, उन्हें सहारा देता है ओर शायद यही कारण है कि नवरत्न में अनुभवी कार्यकारी सदस्यों के साथ साथ नये प्रतिभावान साथियों और सदस्यों का भी भरपूर साथ मिला। पुराने अनुभव और आधुनिक सोच के अद्भुत समन्वय से नवरत्न अपने द्वारा स्थापित मानदण्डों को प्राप्त करने के लिए निरन्तर आगे बढ़ रहा है।

श्री अशोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में संस्था ने जहाँ समाजसेवा के प्रत्येक आयाम को स्पर्श किया है– नारी स्वावलंबन, नारी शिक्षा, नारी सशक्तीकरण, आधुनिक कम्प्यूटर शिक्षा, कमज़ोर वर्ग के लिए निशुल्क शिक्षा, स्वास्थय हेतु आधुनिक विचारधारा दयारानी प्रोजेक्ट और प्रत्येक क्षेत्र के अनदेखी प्रतिभाओं की सामाजिक उपयोगिताओं से समाज को रूबरू कराना। वहीं नयी सोच और विचारधारा वाली संस्थाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर, समाज सेवा के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सार्थक भूमिका निभाई है।

'समर्पण' के माध्यम से वार्षिकोत्सव में, समाज सेवा का स्वच्छ रूप प्रदर्शित हो, इसके लिए मेरी शुभकामनायें। श्री अशोक श्रीवास्तव संस्था के सभी पदाधिकारियों/सहयोगियों, सहकर्मियों, समाजसेवियों को मेरी बंधाई और वार्षिकोत्सव की शुभकामनायें।

ईश्वर हम सबकों शक्ति दें।

**अरविन्द श्रीवास्तव**
मुख्य संरक्षक

# NAVRATAN FOUNDATIONS

## Working Committee

### CHIEF PATRON

**Arvind Srivastava (Former Member, Trade Tax Tribunal U.P.)**

### PATRONS

**Atul Mangal** (Chairman, Mangalmay Institute Of Management & Technologies)
**Mrs. Renu Adawal** ( Social Activist)
**Raj Kumar Srivastava** ( Former Member Tribunal)
**Atul Srivastava** ( CEO, Effective People, Mumbai)
**Jamil Ahmad (** Director General, Sunderdeep Group Of Instiutions**)**
**Anoop Jairath** (Chatered Accountant)
**Mrs. Vibha Mishra** ( Social Activist, Indore)
**P.K. Gupta** (Retd. Senior Govt. Officer)

### ADVISORS

**Dr. Achyut Kumar Tripathi** ( Ayurvdeacharya)
**Mukesh Nigam** (Ex-Banker)
**Chitranjan Saxena (Real Estate Consultant)**
**Ratan Kumar** (ISO Expert)
**Sardar Manjeet Singh Butalia** (Advocate)
**Shekahr Dhar** (Former Corporate Executive)
**Sanjay Pandey** (Retd. Army official)
**Deepak Naidu** (Retd. Sr. Corporate Executive)

### AWARD JURY

**Commodore Ravindra Nath-**Chairman
**Mrs. Anu Srivastava,** Educationist, Mumbai- Member
**Mrs. Poonam Jain.** Social Activist & Motivator, Greater Noida-member
**Arun Vaidya,** CEO Aquarius Design, Indore- Member
**Sunil Puri,**Technocrat, Noida-Member
**Dr. Narendra Gupta,** Chest Specialist, Noida-Member

### PRESIDENT

**Ashok Srivastava:** 9818700814

**SR. VICE PRESIDENT**
R.K. Saxena: 9818391113

**GENERAL SECRETARY**
Vivek Srivastava: 9910061259

**TREASURER**
Anuranjan Srivastava: 88000220472

**FINANCIAL ADVISOR**
A.V. Murlidharan: 9811737169

**JOINT SECRETARIES**
Shubhranshu Shekhar: 9999040419
Mrs. Shalini Agrawal: 9818744773
Mrs. Anshumali Sinha: 9555105778
Mrs. Geeta Misra: 8010745679

**VICE PRESIDENT**
Mrs. Varsha Srivastava: 9711869237
Murari Prasad Srivastava: 9891369632
Hemant Sharma: 9899688981
Someshwar Sharma:9910091963

**MEDIA IN CHARGE**
Vineet Khare : 9911454347

**JOINT MEDIA IN CHARGE**
Anil Srivastava: 8800127319

**EXECUTIVE MEMBERS**
Sardar Gurjeet Singh: 9990006424
Neeraj Bhatnagar: 9891263980

**COORDINATORS**

Thakur Balbir Singh Rural-Dankaur: 9759481379 • Dr Mukesh Daksh-Dadri: 9910809636
Mrs. Sunita Shukla-Noida: 98119 61647 • Ramakant Singh-Navratan Gyanpeeth: 9650071211
Mrs. Kanchan Srivastava-Noida: 9250758492 • Brahampal-Noida: 9971604105
Raju Khan-Technical: 9971626786 • Mrs. Anjana Anjum, Mathura: 8130126020

# Navratan Foundations

## Navratan Awards For Social Welfare-2023

*( Social Workers / Social Organizations )*

### List of Awardees

1. **Sh. F. B. NIGAM MEMORIAL AWARD:** Mrs. Neha Singh, **Hounsla Foundation,** Lucknow
2. **Sh. J.B. JAIRATH MEMORIAL AWARD:** Laxmi Narayan Mandir Trust, Noida
3. **Sh. Akash Saxena Memorial Young Achievers Award:** Ms. Rozina, Powher
4. **Daya Rani Nari Sashktikaran Purskar:** Mrs. Ila Pachauri. Motherhood Club
5. **Kunwar Swaroop Bhatnagar Smriti Shiksha Purskar:** Niveda Foundation. Sector-31, Noida
6. **Srimti Sonia Kohli Samajik"Sahyog" Vishesh Purskar:** Mr. Tejinder Singh Bedi, Sector-137
7. **Rajkumari Cahndra Rikh Memorial Raj Sevak Award:** Ms. Dolly & Dr. Atul Chaudhary, Sector-82, Noida
8. **Navratan Award:** Mr. Pankaj Sharma, Dadda Foundation, Sector-66, Noida
9. **Navratan Award :** Kalyan NGO, New Delhi
10. **Navratan Award:** Mrs. Deepa Devi, Hindrise Social Welfare Foundation, Sector-12, Noida.
11. **Navratn Super Corona Award:** Mr. Pradeep Vohra , Sector-22, Noida.
12. **Navratan Special Social Welfare Award:** Mrs. Poonam Deewan
13. **Chitransh Om Prakash Kamthan Shiksha Award:** Miss Ikra Saifi, B.R. Public Inter College, Parthla, Noida

# नवरत्न फाउंडेशन्स द्वारा गत वर्ष में किये गये विशेष कार्यों का विवरण

**विवेक श्रीवास्तव, महासचिव**

यह वर्ष नवरत्न के लिए अत्यधिक सक्रियता से भरपूर रहा, प्रतिदिन कोई न कोई, कहीं न कहीं और किसी न किसी स्थान पर सामाजिक कार्यों में सलंग्न रही है. सभी गतिविधियों का विवरण देना यहाँ संभव नहीं है लेकिन 24 जुलाई को सम्पन्न हुए समर्पण–2022 वार्षिकोत्सव कायर्क्रम के पश्चात कुछ अहम और विशेष किये गये सामाजिक कार्यों का अवश्य यहाँ उल्लेख करने जा रहे हैं जो की इस प्रकार हैं।

इसके साथ हम यह भी यहाँ पर बताने चाहेंगे की नवरत्न की एक मुहीम जिसका ध्येय  रहा है केवल स्वयं ही नहीं बल्कि नोएडा की अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर सामाजिक कार्यों को आगे बढाना, उस में भी काफी हद यह सफल रही है और इसमें नोवरा के अध्यक्ष श्री रंजन तोमर के सयुंक्त प्रयास से नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा की करीब 94 संस्थाओं का समूह **एक्टिव एन जी ओ ग्रुप** एक इकाई के रूप में खड़े होकर बेहद प्रभावी सामाजिक उत्थान के कार्य कर रहे हैं और यही ही नहीं आपस में एक दुसरे को पहचान कर एक दुसरे के कार्यों में सहयोग कर अपने कार्यों और अपने साथी संस्थाओं के कार्यों को भी आगे बढ़ा रहे हैं .. **शायद पूरे भारत में इस तरह का संयोजन कहीं ही देखने को मिले जो नोएडा में हो रहा है...यह नवरत्न की बहुत बडी उपलब्धि है..**

1. **अस्तित्वः** महिला सशक्तिकरण अभियान द्वारा स्वालंबन के प्रयास के तहत में इस वर्ष महिला सिलाई प्रशिक्षण केन्द्रों की संख्या को जिला बुलंदशहर के तहसील सिकन्दरा के गाँव भोंरा में स्थित कलावती छुटन लाल काका डिग्री कॉलेज में **एमिरेटस टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड के सी एस आर के तहत महिला सिलाई प्रशिक्षण की शुरुआत जनवरी 2023 के साथ 35 हो गयी है।**
2. जनवरी 2023 में अस्तित्व के तहत ही जिला **बुलंदशहर के तहसील सिकन्दरा के गाँव वैलाना में प्रौड़ महिला शिक्षण केंद्र** प्रारम्भ हुआ जहाँ पर अनपढ़ महिलाओं के लिए शिक्षा ग्रहण करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।
3. विभिन्न संस्थाओं की नारी शक्ति को एक स्थान पर लाकर और सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 4 मार्च को नवरत्न के पहल पर एक्टिव एन जी ओ के तहत एक **भव्य इंटरैक्टिव** कार्यक्रम **गिरफ़्त में आसमां** का आयोजन कैफ़े शीरोज़ पर किया गया जिसमे 50 से ज्यादा सामाजिक संस्थाओं की महिला प्रमुखों ने अपनी अहम भागीदरी से सफल बना दिया जिससे से समाज में एक बहुत ही प्रभावी सन्देश गया।
4. **एसिड अटैक से पीड़ित महिलाओं** को रोज़गार प्रदान कर उनको स्वालंबन बनाने के प्रयास में **छावं फाउंडेशन** द्वारा प्रारम्भ किये गये **कैफ़े शीरोज़ एक अद्भुत मानवीय प्रयास है** और एक ऐसे ही कैफ़े शीरोज़ का संचालन नोएडा स्टेडियम में हो रहा है. उसी को और सशक्त एवं रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए **नवरत्न ने सहयोगात्मक रूप में एक बेहतरीन साउंड सिस्टम प्रदान किया** ताकि वहां होने वाले सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किये जा सकें।
5. करीब 70 वर्ष जन्मे कंप्यूटर ने आज पूरे  ब्रह्माण्ड में राज कर लिया है और हमारी जिंदगी इसके बिना अब शायद ही संभव हो क्योंकि **कंप्यूटराइज्ड मोबाइल** इसका सबसे बड़ा उदाहरण है. कंप्यूटर से सम्बन्धित

**ज्ञान उम्र के शुरुआती दौर में मिल जाए तो अच्छा है** ताकि इसका सदुपयोग हो सके और समय के साथ चलने में समस्या न हो. लेकिन आर्थिक रूप से कमज़ोर और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शायद कंप्यूटर की शिक्षा काफी कठिन हो चला है. समाज के इस वर्ग को यह ज्ञान ठीक तरह से प्राप्त हो इसके लिए नवरत्न ने अनेक स्थानों पर **कंप्यूटर शिक्षण केंद्र प्रारम्भ किये हैं**. गत वर्ष चार केन्द्रों की संख्या से **आगे बढ़ते हुए आज यह संख्या आठ तक पहुँच गयी है।**

(i) इस सत्र में 7 सितम्बर 2022 को निठारी में **कनाडा में निवासित श्रीमती महक श्रीवास्तव एवं श्री यक्षदीप कौल ने अपनी शादी के दिन ही कंचन पब्लिक स्कूल, निठारी, सेक्टर 31 में वहां का बच्चों को 8 कंप्यूटर वाला केंद्र प्रदान किया.** इसका उद्घाटन क्लब 26 के वरिष्ट उपाध्यक्ष श्री सुनील पुरी जी किया।

(ii) **23 जनवरी 2023 को पेट्रोनेट एल एन जी लिमिटेड के सी एस आर** के तहत सेक्टर 45 के गाँव सदरपुर में स्थित डिलाइट पब्लिक स्कूल में वंचित वर्ग के लिए 20 कंप्यूटर का शिक्षण केंद्र प्रारम्भ हुआ. इसका उद्घाटन पेट्रोनेट के वित् निदेशक श्री विनोद मिश्र जी के कर कमलों से हुआ

(iii) **23 अप्रैल 2023 को ग्रेटर नोएडा के गाँव सुनपुरा में 6 कंप्यूटर** से युक्त श्री एम् जी भटनागर कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन श्रीमती पुष्पा भटनागर जी ने अपने कर कमलों से किया इसका सयुंक्त रूप से **संचालन एम् जी भटनागर मेमोरियल ट्रस्ट एवं नवरत्न फाउंडेशन्स** द्वारा किया जायेगा.

(iv) **7 मई 2023** नोएडा के सेक्टर 26 के क्लब 26 के प्रांगण में **कुसुम खोसला कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर** का उद्घाटन क्लब 26 के अध्यक्ष एवं चेयरमैन, करना अपरेल्स प्राइवेट लिमिटेड, **आयुर्वेदाचार्य अच्युत कुमार त्रिपाठी एवं नवरत्न के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव जी** द्वारा किया गया. करना अपरेल्स प्राइवेट लिमिटेड के सी एस आर के तहत यहाँ पर **12 कंप्यूटर लगायें गये हैं।**

**अभी तक 800 से ज्यादा बच्चे एवं बड़े लोग कंप्यूटर की बेसिक शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं।**

6. प्रत्येक वर्ष कडकडाती ठण्ड से बचाव हेतु चलाये जा रहे **शीत कवच** अभियान के तहत कई स्कूल के करीब **2000 गरीब बच्चों को गर्म स्वेटर्स का वितरण किया गया।**

7. आर्थिक रूप से कमज़ोर बच्चों के लिए संचालित **निशुल्क शिक्षा प्रदान करने वाला नवरत्न ज्ञान पीठ** में **कोरोना के पश्चात** बच्चों की संख्या धीरे धीरे बढ़ रही है. इस समय करीब 102 बच्चे निरंतर शिक्षा ग्रहण करने आ रहे हैं. बच्चों को कोर्स की पुस्तकें, स्टेशनरी, यूनिफार्म, जूते, बैग, बेल्ट, जुराबे इत्यादि नवरत्न की तरफ से ही प्रदान की जाती हैं. समय समय पर बच्चों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम और स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया जाते हैं. हर वर्ष की भांति 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस 26 जनवरी खूब धूम धाम से मनाये गये.

8. **अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ट नागरिक दिवस** के उपलक्ष्य में नोएडा की प्रसिद्ध संस्था **ॐ विश्रांति चैरिटेबल सोसाइटी की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सक्सेना जी** एवं नवरत्न के सयुंक्त प्रयास से **जश्न–ए–तजुर्बात कार्यक्रम 2 अक्टूबर 2022** को इंदिरा गाँधी कला केंद्र में भव्य रूप से आयोजित हुआ. वरिष्ठ नागरिको द्वारा प्रस्तुत संगीत के **कार्यक्रम जहाँ अदभुत थे वही 90 वर्ष से उपर करीब 12 अति वरिष्ठ नागरिकों का भरपूर सम्मान प्रक्रिया भी मनभावन भी थी।**

9. **स्वास्थ्य सेवाओं के तहत कुछ कार्य किये जो इस प्रकार हैं।**

(i) जिला गौतम बुद्ध नगर के 10 विभिन्न गाँव एवं स्लम क्षेत्र में हील्स फाउंडेशन सयुंक्त प्रयास गाड़ी में स्थापित हेल्थ ए.टी.एम् के माध्यम से करीब 1150 आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगो को पूरे शरीर

की जाँच की गयी और 20 जाँच की रिपोर्ट तुरंत प्रिंट कर के वहीं डी गयी ताकि वो अपने डॉक्टर से परामर्श कर सकें. यह स्वास्थ्य अभियान नेशनल फ़र्टिलाइज़र लिमिटेड के सी.एस.आर. के तहत किया गया था।

(ii) **26 फरवरी 2023 को लक्ष्मी नारायण मंदिर ट्रस्ट सेक्टर–56 नोएडा द्वारा एक मेगा रक्त दान शिविर नोएडा** स्टेडियम में लगाया गया जिसमे करीब 700 यूनिट रक्त एकत्रित करने का महान कार्य किया गया ताकि लोगों जीवन दान देने में काम आ सके. इस मेगा कैंप में नवरत्न फाउंडेशन्स ने भी अपनी अहम भूमिका निभा कर सफल बनाया।

(iii) **2 अप्रैल 2023 बुलंदशहर के ग्राम वैलाना में लायंस क्लब नोएडा** के सहयोग से नेत्र जाँच शिविर लगाया गया. जिसमे करीब 130 लोगों ने जांच कराई और उसमे से 18 लोगो मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गये. इन 18 व्यक्तियों का दो दिन के बाद गाज़ियाबाद के लायंस नेत्र हॉस्पिटल में ऑपरेशन करवाया गया और लेंस लगाने के साथ इनकी दृष्टि में सुधार आया और पहले से बेहतर और पूर्णतया साफ़ दिख रहा है. **इस कार्य में विशेष रूप से लायन उमेश कुमार जी का विशेष योगदान रहा।**

10. **नेकी की दीवारः 3 मार्च 2023** इन्नर व्हील नोएडा सिटी की अध्यक्ष एवं नवरत्न की अहम सहयोगी **श्रीमती मंजू सूद जी के सहयोग से ग्राम सर्फाबाद, सेक्टर 73 में संचालित श्रीमती सोनिया कोहली महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र** पर दूसरी नेकी की दीवार प्रारंभ हुई, जिसकी शुरुआत श्रीमती मंजू सूद जी द्वारा प्रदत स्टील रैक और ढेर सारे कपड़ो से हुई. अब हर सप्ताह यहाँ पर दानदाता कपडे दे जाते हैं और ज़रूरतममन्द लोग ले जाते हैं.

11. नवम्बर 2022 के प्रथम एवं द्वितीय सप्ताह एवं अप्रैल 2023 के द्वितीय सप्ताह में दिल्ली एन सी आर एवं लुधियाना में एमिरेत्स टेक्नोलॉजीस पप्राइवेट लिमिटेड के सी.एस.आर के तहत इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट के ग्रेजुएट छात्रों के लिए ब्प्–ड ।श्रैम्ज्दै इप्स्स–ॅप्स्स–स्म ।क अंतर महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और नवरत्न फाउंडेशन्स भी प्रथम बार इसमेंसहयोगी बनी. इस प्रतियोगिता में विजेताओं को करीब 8 लाख रूपये की धनराशी के नकद पुरस्कार नवरत्न के माध्यम से प्रदान किये गये.

12. **नवरत्न फाउंडेशन्स का प्रथम आधारित लक्ष्य रहा है "अनदेखी प्रतिभाओं के उत्थान हेतु प्रतिबद्धता"** जिसमें हम अत्यंत सफल रहे हैं. प्रतिभा किसी भी रूप में हो, उसका तराशने के लिए नवरत्न ने पहल के साथ हमेशा आगे रही है .संगीत के क्षेत्र के अनगिनत कलाकारों को मंच प्रदान किया है और इस वर्ष भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किया गये जो की इस प्रकार हैं..

(I). **जो आये वो गाये कार्यक्रम का भव्य फिनालेः** गत तीन वर्षों से कोरोना के कारण स्थगित जो आये वो गाये अभियान का फिनाले गत 5 मई को भव्यता के साथ दिल्ली के इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेन्टर में सम्पन्न हुआ. 17 गायकों के बेहतरीन गयी गायकी ने सभी का दिल जीत लिया. खचाखच भरे हाल में हर कोई इन उभरते कलकारों की प्रतिभा से स्तब्ध था. इस प्रतियोगिता में **कनिष्ठ वर्ग में कुमारी प्रतिष्ठा शुक्ल सर्वोत्तम गायिका एवं मास्टर अवि त्रिखा अति उत्तम गायक चुने गये.** वही वरिष्ठ वर्ग में कुमारी मुस्कान श्रीवास्तव सर्वोत्तम गायिका तथा शादाब खान अति उत्तम गायक चुने गये. कार्यक्रम के सटीक एवं बेहतरीन व्यस्था की सभी ने तारीफ करी. हमे यह बताते हुए अति प्रसन्नता होती है की 'जो आये वो गाये' के द्वारा अभी तक करीब 600 गायकों को पहली गाने का अवसर प्राप्त हुआ है।

(ii) **6 सितम्बर 2022** को प्रत्येक वर्ष प्रसिद्ध पार्श्व गायक स्वर्गीय मुकेश जी स्मृति में होने कार्यक्रम 'शुक्रिया मुकेश–2022' का आयोजन इस बार गणराज महाराष्ट्र मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित गणेश उत्सव, ग्रेटर नोएडा में हुआ. जहाँ काका चन्द्र शेखर गर्ग जी के आशीर्वाद से नवरत्न के गायक कलाकारों ने उपस्थित हजारों दर्शकों को झुमा दिया।

(iii) **24 दिसम्बर 2022 को नोएडा एक्स**–ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन एवं नवरत्न के सयुंक्त तत्वावधान में महान गायक मोहम्मद रफ़ी की जन्मदिन पर 28वीं संगीत संध्या का आयोजन इंदिरा

गाँधी कला केंद्र में हुआ और देर रात तक श्रोताओं ने दिल्ली एन सी आर के गायकों की गायकी का आनंद लिया।

(iv) **इस पूरे वर्ष में श्री कृष्ण मोहन जी** द्वारा संचालित संगीत के कार्यक्रम "रुक जाना नहीं" के चार कड़ियाँ विभिन्न तिथियों पर आयोजित हुई और इसके आयोजन में नवरत्न के भी बहुत ही अहम भूमिका रहती है. इस कार्यक्रम के माध्यम से अभीतक 250 से ज्यादा गायकों को मंच प्रदान किया जा चूका है।

(v) **नवम्बर के अंतिम सप्ताह में जयपुर, राजस्थान में श्री पंकज माथुर की संस्था डी.एम एस. आरोहि द्वारा आयोजित प्रदेश व्यापिक गायन प्रतियोगिता "वोइस ऑफ़ राजस्थान' के आयोजन में नवरत्न ने अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया।**

(vi) **15 अगस्त 2022 भारत की आज़ादी की अमृत उत्सव** के अवसर पर डॉ. बबिता शर्मा. अध्यक्ष, बी.एस.फाउंडेशन के सहयोग से नवरत्न ने **"आज़ादी की दीवानों के तराने"** कार्यक्रम का आयोजन ऑन लाइन 'साउंड स्कोर' स्टूडियो नोएडा से किया गया। **इस देशभक्ति के अदभुत कार्यक्रम में देश में 75 गायकों ने 75 देशभक्ति के गाने प्रस्तुत किये जिसको पूरे विश्व में हजारों लोगों ने इसका सीधा प्रसारण देखा और सराहा।**

13. नवरत्न फाउंडेशन्स को इस वर्ष कई अन्य संस्थाओं के साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ और कई संस्थानों ने अपने यहाँ आयोजित कांफ्रेंस एवं सेमिनार में आमंत्रित किया जैसे एमिटी यूनिवर्सिटी, सी आई आई, इत्यादि. **बिग ऍफ़.एम् 92.7 के के प्रसिद्ध कार्यक्रम बिग हीरोज़ विद ऋचा अनिरुद्ध में नवरत्न फाउंडेशन्स का साक्षात्कार हुआ और कार्यों की चर्चा हुई. इसके साथ अनेक संस्थाओं द्वारा कई महत्वपूर्ण सम्मानों से भी नवरत्न विभूषित हुआ।**

## गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# श्री एफ बी निगम मेमोरियल एवार्ड-2023

## श्रीमती नेहा सिंह, हौसला फाउंडेशन

सामाजिक सरोकारों से जुड़कर सूबे की राजधानी लखनऊ व उसके आसपास क्षेत्रों में मानवीयता का प्रदीप्त दीपक प्रज्ज्वलित कर रही हौसला फाउंडेशन की अध्यक्ष नेहा सिंह ने निःस्वार्थ एवं समर्पित भाव से लोकोपकारी कार्य कर समाज मे अलग पहचान बनाई है।

जामिया मिल्लिया विश्विद्यालय में प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग में कार्यक्रम सहायक के रूप में मलिन बस्तियों में वंचित लोगो के लिए शिक्षा, स्वावलंबन, साक्षरता विषयक बड़े अभियानों का हिस्सा बन सामाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही समाजसेवी नेहा सिंह ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में शिक्षा की अलख जलाई।

बीते पांच वर्षों से हौसला फाउंडेशन की अध्यक्ष के रूप में लखनऊ व आसपास के जिलों में सामाजिक उत्थान हेतु सतत प्रयास कर रही समाजसेवी नेहा सिंह ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सेवा, समर्पण के साथ जो प्रयास किये वो काबिल ए तारीफ हैं।

लखनऊ व आसपास के ग्रामीणांचल में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों, वंचित व उपेक्षित वर्ग को शिक्षित कर मुख्य धारा में लाने के सार्थक प्रयास के तहत इन्होंने शिक्षा की अलख जलाते हुए हौसला पाठशाला का संचालन किया। लखनऊ के नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रो में जैसे कैथी ( बिजनौर, सरोजनीनगर), तेजीखेड़ा ( मानकनगर) व अंसल प्रांगण में हौसला पाठशाला एवं हौसला सेंटर संचालित कर महिलाओं, बच्चो के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण की व्यवस्था कर उनके विकास का मार्ग खोल दिया। यहां प्राथमिक, प्रौढ़ व कम्प्यूटर शिक्षा के साथ सिलाई कढाई, ड्रेस मेकिंग आदि प्रशिक्षण में लगभग 850 शिक्षणार्थी व प्रशिक्षणार्थी प्रतिवर्ष लाभान्वित होते हैं और स्वावलंबन की ओर अग्रसर होते हैं।

लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव के ग्रामीण क्षेत्रो में प्रत्येक गुरुवार नेत्र शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगवाकर निःशुल्क जांच, दवाएं एवं चिकित्सीय परामर्श करने के साथ संस्था मासिक शिविर लगाकर ग्रामीण क्षेत्रो को हैपेटाइटिस बी, कैंसर जैसे गम्भीर व असाध्य रोगों के प्रति जागरूक भी कर रही है। साथ ही हाइजीन किट प्रदत्त कर संक्रमण सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही है। दिव्यांगों के जीवन मे खुशहाली को गतिमान बनाने के लिए सहयोगी प्रतिष्ठानों, संस्थानों के सक्रिय सहयोग से कृतिम अंग, व्हील चेयर आदि उपलब्ध करवाने के लिए भी सार्थक प्रयास कर रही है। वैश्विक महामारी कोरोना के उस भयावह दौर में जब समूचे देश की सारी गतिविधियां लगभग थम सी गयी थी उस दौर में हौसला ने घरवास में कैद लोगो का हौसला बढ़ाते हुए मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति का भरकस प्रयास किया। इस दौरान हौसला फाउंडेशन ने क्षुधा तृप्ति सेवा चलकर सूखे राशन की किट पहुंचाई वही पके खाने के पैकेट वितरित कर अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन किया। लॉक डाउन के विभिन्न चरणों मे लगभग 3500 से अधिक लोगो को राशन खाद्य सामग्री से लाभान्वित करवाया। हौसला फाउंडेशन ने क्षेत्रवासियों के लिए दवाइयां, सेनिटाइजर, मास्क, ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था कर कोरोना से जंग में अपनी महत्वपूर्ण सामाजिक भूमिका निभाई। इसके अलावा प्रवासी मजदूरों की सहायता, 15 लोगो का दाह संस्कार, 18000 लोगो का कोविड टीकाकरण आदि अनुकरणीय कार्य कर कोरोनकाल में महती भूमिका का निर्वहन किया। रोजगार व स्वरोजगार के क्षेत्र में भी फाउंडेशन ने जरूरतमंदों को उनकी दक्षता के आधार पर समायोजित करवाया। महिलाओं को मोमबत्ती निर्माण, राखी निर्माण, दीया निर्माण, खिलौना निर्माण में प्रोत्साहित कर उन्हें सहयोग से स्थापित किया। वह बिक्री कर अपने परिवार की आजीविका चला रही हैं। असहाय बुजुर्गों को आश्रय उपलब्ध करवाकर उनकी रोजमर्रा जरूरतों के साथ उन्हें स्थापित कर हौसला फाउंडेशन ने हौसला अफजाई करते हुए उनकी जिजीविषा बढ़ाते हुए उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। वहीं ठिठुरती सर्दियों में सुबह सुबह अपनी स्कूटी से निकल कर समाजसेवी नेहा सिंह जरूरतमंदों को मोजा, टोपी, ग्लब्स, गर्म चाय आदि प्रदत्त कर लोगो की सेवा करते हुए देखी जा सकती हैं।

समर्पित भाव से निःस्वार्थ सेवा कर सामाजिक उत्थान हेतु प्रयासरत हौसला फाउंडेशन अध्यक्ष नेहा सिंह को श्री एफ बी निगम पुरस्कार के साथ नकद राशि रूपये 21,000/= एवं स्मृति चिन्ह से अलंकृत करते हमें गर्व की अनुभूति हो रही है।

# श्री जे.बी. जयरथ स्मारक पुरस्कार-2023

## लक्ष्मी नारायण मंदिर चेरिटेबल ट्रस्ट सेक्टर 56, नोएडा

अंगदान, रक्तदान से मानव जीवन रक्षा का बीड़ा उठाये लक्ष्मी नारायण मंदिर चेरिटेबल ट्रस्ट सेक्टर 56, नोएडा ने शिविरों का आयोजन कर समाज मे फैली इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का जो सार्थक प्रयास किया है वह निश्चित तौर पर सराहनीय है।

इस नेक काम की शुरुआत इस ट्रस्ट ने 2011 में रक्तदान शिविर लगाकर की थी। ट्रस्ट ने पहली बार नोएडा के सेक्टर 55 में रक्तदान शिविर लगाया था।

रक्तदान व अंगदान से ठिठकती छिटकती जिंदगियों को न सिर्फ चलाया जा सकता है बल्कि उन्हें दौड़ाया भी जा सकता है। यह विचार आत्मसात कर ट्रस्ट ने प्रतिबद्धता के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर स्कूल, कालेजों की तरुणाई को जगाया। कार्पोरेट्स और शिक्षण संस्थानों में रक्तदान कैम्प लगाकर लोगो को जागरूक कर रक्तदान के लिए प्रेरित किया। हालांकि शुरुआत में लोगो को समझाने में थोड़ी दिक्कतें आयीं लेकिन ट्रस्ट ने समझाया कि रक्तदान से कोई कमजोरी नही आती खास तौर पर युवाओं में बल्कि स्वस्थ्य युवक के कुछ समय बाद पुनः रक्त की कोशिकाएं निर्मित हो जाती हैं। लक्ष्मी नारायण मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट की असरदार जनजागरूकता से क्षेत्र की तरुणाई ट्रस्ट के इस जनोपयोगी अभियान का हिस्सा बनने लगी। जीबीयू, GNOIT, GNT, GL BAJAJ, MANGALMAY, IMT, IEC सहित ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में ट्रस्ट ने शिविर लगाकर रक्तदान करवाया साथ ही इस विषय पर समाज मे सकारात्मक सन्देश भी दिया।

कोरोनाकाल की विषम परिस्थितियों में ट्रस्ट ने जरूरतमंद रोगियों के लिए रक्तदान शिविर लगाकर रक्त की व्यवस्था कर प्रेरणादायी मिसाल पेश की है। लॉक डाउन में घर से काम कर रहे रक्तदानियों के सक्रिय सहयोग से रक्तदान शिविर लगाकर गम्भीर रोगियों को रक्तापूर्ति कर प्राणवायु फूंकी गयी। ट्रस्ट ने अब तक लगभग 50 कैम्प लगाकर 500 से अधिक रक्तदान इकाइयों के सहयोग से 5500 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया है जो समय समय पर जरूरतमंदों की जान बचाने के काम आया है। 8 कैम्प सड़क किनारे आयोजित किये गए हैं। 30 अगस्त 20 को कोविड महामारी के दौरान डीएम के मार्गदर्शन में कैम्प लगाकर रक्तदान से जरूरतमंदों को राहत पहुंचाई गई। रक्त का कोई विकल्प नही, यह किसी कारखाने में नही बनाया जा सकता बल्कि सेवाभाव से आगे आये रक्तदानी ही किसी का जीवन बचा सकते हैं। इस सन्देश के साथ मन्दिर ट्रस्ट समय समय पर मेघा कैम्प लगाकर रक्तदान उत्सव सफलतापूर्वक हर्षोल्लास के साथ मनाता है। बीती 26 फरवरी को मन्दिर ट्रस्ट ने शानदार मेघा रक्तदान शिविर आयोजित कर रक्तदान उत्सव सफलता पूर्वक संपन्न किया। इस मेघा कैम्प में 750 रक्तदानियों ने पंजीकरण करवाया था जिसमे 606 लोगो ने रक्तदान किया। इस मेघा कैम्प में दिल्ली/एनसीआर के लगभग सभी प्रमुख अस्पतालों, ब्लड बैंकों की टीमो ने सक्रिय भागीदारी निभाई थी।

अंगदान लिखित रूप से भले बहु प्रसारित हो लेकिन समाज मे व्यवहारिक रूप से अभी भी बहुत बड़ी चुनौती बना हुआ है। लक्ष्मी नारायण मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट नोएडा इस दिशा में भी प्रभावी प्रयास कर रहा है। नेत्र व अन्य आंतरिक अंगों के दान के लिए बराबर लोगो को प्रेरित कर रहा है। नेत्र/अंग दान जागरूकता के लिए परामर्श सम्बन्धी ऑडियो विजुअल प्रस्तुति के साथ प्रेरित किया जा रहा है। ट्रस्ट भावी नेत्र/ अंग दाताओं को प्रेरित कर उनके नाम एवं संकल्प एकत्रित भी कर रहा है। लक्ष्मी नारायण मंदिर ट्रस्ट के रक्त दान जागरूकता के अनुकरणीय व नेक प्रयास में तमाम शिक्षण संस्थानों के साथ साथ एएफटीसी, एम्स, जीटीबी, जिला अस्पताल नोएडा, पीजीआई चाइल्ड हेल्थ नोएडा, जिम्स ग्रेटर नोएडा, रोटरी नोएडा ब्लड सेंटर आदि संस्थाए सक्रिय सहयोग कर रही हैं।

मन्दिर के इन सेवाकार्यो में 30 से अधिक मन्दिर प्रबंध न्यासी और स्वयंसेवक निःस्वार्थ व समर्पित भाव से शामिल हैं। सेवाभाव से सक्रिय इस मंदिर टीम का नेतृत्व व मार्गदर्शन परियोजना निदेशक के रूप में। श्री ए के गुप्ता कर रहे हैं।

रक्तदान से ठिठकती, छिटकती जिंदगियों में प्राणवायु फूंकने व नेत्र/अंग दान जागरूकता से मानव जिंदगियों को बचाने का सार्थक प्रयास कर रहे लक्ष्मी नारायण मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट, सेक्टर 56 नोएडा को श्री जे.बी. जयरथ स्मारक पुरस्कार 2023 साथ नकद राशि रूपये 11,000/= एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित कर हम स्वयं को गौरवांवित महसूस कर रहे हैं।

# श्री आकाश सक्सेना मेमोरियल यंग एचीवर्स एवार्ड-2023

## सुश्री रोजीना, POWHER चेरिटेबल ट्रस्ट

सपने संजोने की उम्र में लोगो की दुआएं संजोना शुरू करने वाली सुश्री रोजीना ने महज 15 साल की किशोरावस्था से ही खुद को मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया। पढ़ने की उम्र में पढ़ाने की हिम्मत रखने वाली सुश्री रोजीना ने झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर स्कूल में दाखिला दिलाया। अपनी समाजसेवा को आगे बढ़ाने के लिए इस छोटी सी उम्र में ही एक एनजीओ के वालेंटियर के रूप में पार्ट टाइम जॉब करने लगीं। इस एनजीओ ने उनकी समाजसेवा भावना को और अधिक प्रबल कर दिया। इस दौरान इन्होंने लड़कियों की शिक्षा तथा घरेलू हिंसा कानून पारित करने जैसे समाजहित में सहायक कई काम अपनी टीम के साथ संपन्न किये। समाज सेवा के साथ साथ इन्होंने अपना मास्टर्स ऑफ सोशल वर्क भी पूरा किया।

अब किशोरावस्था में देखे गए सपनो को पूरा करने का वक्त आ गया था। 2010 में अपने संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से इन्होंने एक संस्था`थ्ठ् की आधारशिला रखी। जिससे झुग्गी के लगभग 180 अशिक्षित बच्चों को शिक्षा से जोड़ा गया। इन बच्चों को शिक्षण सामग्री आदि मुहैया करवाकर शिक्षा के प्रति प्रेरित भी किया।

2019 में सुश्री रोजीना ने एक च्ँब्म्त् नामक संस्था का सृजन किया जिसका उद्देश्य महिलाओं एवं दिव्यांगों को रोजगार, शिक्षा, कौशल शिक्षा व पुनर्वास प्रदान करना था। कोविड की इस महामारी में थोड़ा थोड़ा दान एकत्र कर लगभग 2000 परिवारों को मासिक सूखा राशन प्रदान किया। तथा समय समय पर मास्क, सेनिटाइजर भी वितरित किये गए। कोरोनाकाल में ही मानवता की सेवा के लिए सामुदायिक रसोई शुरू की गई। वर्तमान में यह संस्था वंचित एवं दिव्यांगों को मिलाकर 35 लोगों का परिवार है।

इस संस्था के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 100 महिलाएं प्रशिक्षण ले रही हैं। यह संस्था कौशल प्रशिक्षण द्वारा महिलाओं को दक्ष कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही है। परिवार, समाज एवं राष्ट्र के विकास में महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। महिला सशक्त होंगी तो परिवार व समाज सशक्त होगा। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से च्ँब्म्त् संस्था लगातार महिला कौशल प्रशिक्षण हेतु प्रयत्नशील है। चेरिटेबल ट्रस्ट च्ँब्म्त् मानसिक रूप से कमजोर लोगो की जिंदगी पटरी पर लाने के लिए भी ऐसे आवास बनाने का प्रयास कर रहा है जो मानसिक संबल प्रदान कर सके। अपना सम्पूर्ण जीवन मानव सेवा में लगाने के लिए संकल्पित च्ँब्म्त् चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक सुश्री रोजीना को श्री आकाश सक्सेना मेमोरियल यंग एचीवर्स अवार्ड 2023 साथ नकद राशि रूपये 11,000/= एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित कर हम स्वयं को गौरवांवित महसूस कर रहे हैं।

## गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

## श्रीमती इला पचौरी (मदरहुड क्लब)

सामाजिक उत्थान में समर्पित भाव से योगदान दे रही समाजसेवी इला पचौरी ने तमाम उतार चढ़ाव के बाद भी अपने अनुकरणीय प्रयासों से लोगो के दिलो में अलग पहचान बनाई है।।
राजस्थान के कोटा शहर में 1967 में जन्मी श्रीमती इला पचौरी एक मध्यमवर्गीय परिवार में पली बढ़ी।इनके घर में साहित्य और संगीत की गंगा बहती थी। विरासत में मिली इस कला के चलते माँ सरस्वती की वरदपुत्री इला ने बचपन से ही कविता, कहानी लिखना शुरू कर दिया था और 12 वर्ष की आयु में तो वह शास्त्रीय गायन कला में दक्ष हो गयी थी। 40 वर्ष की आयु में श्रीमती इला ने रियल एस्टेट के पुरूष प्रधान क्षेत्र में कदम रखा।अपनी हिम्मत व मेहनत के बल यह सफलता की सीढ़ियां चढ़ने लगीं, दुर्भाग्य से रियल एस्टेट का मार्केट गिरने लगा और इनके पास कोई काम नही रहा। बहुमुखी प्रतिभा की धनी श्रीमती इला कहां खाली बैठने वाली थीं इन्होंने 2015 में अपने शौक को व्यवसाय में बदलते हुए डल स्पजजसम ळतममदे की शुरुआत की। इसमे वो इंडोर पौधे बनाकर बेचती थी। पर्यावरण जागरूकता की तरफ एक कदम और बढ़ाते हुए श्रीमती इला ळतममद ब्तनेंकमत अभियान से घरेलू कचरे व रसोई से निकले हरे कचरे से जौविक खाद्य, स्किन केयर, हेल्थकेयर उत्पाद, लिक्विड फर्टिलाइजर आदि बनाकर हरित संदेश दे रही हैं। साथ ही सोशल मीडिया के विभिन्न मंचो से ऑनलाइन पर्यावरण के प्रति लोगो को जागरूक कर रही हैं।
श्रीमती इला आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों व महिलाओं में शिक्षा की अलख जगाते हुए उनके स्वावलंबन के लिए भी यथासंभव प्रयास जारी है। वह कई वर्षो से घरेलू सहायिकाओं के बच्चों को निःशुल्क पढ़ाती हैं उनकी फीस भरती हैं और उनके कैरियर के लिए मार्गदर्शन भी करती हैं। महिलाओं को मिठाई, नमकीन, अचार, मठरी आदि बनाने में दक्ष कर आत्मनिर्भरता की तरफ अग्रसर कर रही हैं वहीं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चियों को सिलाई, कढ़ाई में ट्रेनिंग दिलवाकर व सिलाई मशीन प्रदत्त कर स्वावलंबी बनने में मदद कर रही हैं।
कोरोनाकाल के उस दौर में जब लॉक डाउन से लगभग सारी गतिविधियां थम सी गयी थी, उस दौर में इन्होंने क्षुधा तृप्ति सेवा से मजबूत व मजदूर वर्ग को लाभान्वित कर प्रेरणादायी मिशाल पेश की। इस दौरान इन्होंने इन्होंने सूखा राशन किट से जहां एक तरफ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों एवं मजबूर परिवारों को सहारा दिया वहीं दूसरी तरफ रिक्शा, रेहड़ी वालो एवं अन्य वंचितों को पका खाना वितरित कर उनकी क्षुधा तृप्त की। अपने सहयोगी मित्रों की मदद से इन्होंने 7 लाख रुपये एकत्र कर कई गरीब व वंचित परिवारों को की विभिन्न रूप से मदद की।
उनकी लिखी कहानियां चार कथा संकलनों में भी छप चुकी हैं और कविताएं कई काव्य संकलनों में। यह मदरहुड क्लब की सह संस्थापिका एवं चीफ हैप्पीनेस ऑफिसर के दायित्व का सफल निर्वहन करते हुते
सामाजिक सेवा की सभी गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती हैं। आर्थिक रूप से पिछड़े तबके की महिलाओं को संक्रमण सुरक्षा के प्रति जागरूक कर सेनेटरी नेपकिन, हाइजीन किट वितरण कर रही हैं। इन्होंने छिपी प्रतिभाओं को तलाश कर व तराश कर उन्हें समुचित मंच, स्थान दिलाने के उद्देश्य से कल्चर कोना की शुरुआत की। कल्चर कोना छिपी प्रतिभाओं को सार्वजनिक मंच देकर उन्हें ऊर्जित कर रहा है और प्रकाश में ला रहा है। श्रीमती इला व्यवसायिक, सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहकर भी शास्त्रीय गायन व लेखन के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य कर रही हैं। वह नेटवर्क एक्सपर्ट और मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं। ऐसी बहुमुखी प्रतिभा की धनी श्रीमती इला पचौरी को हम दयारानी नारी सशक्तिकरण पुरस्कार 2023 से सम्मानित कर गर्व की अनुभूति कर रहे हैं।

# कुंवर स्वरूप भटनागर स्मृति शिक्षा पुरस्कार-2023

## निवेदा फाउंडेशन, नोएडा

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को शिक्षित व सशक्त बनाने के उद्देश्य से सामाजिक विकास में अनुकरणीय योगदान दे रही निवेदा फाउंडेशन की स्थापना 17 मई 2014 में हुई थी। तब से लगातार विकास के अंतिम पायदान पर खड़े परिवार को संबल देते हुए निवेदा फाउंडेशन ने आम जनमानस के ह्रदय पटल पर अलग पहचान बनाई है। शिक्षा को सफलता की कुंजी मानते हुए संस्था ने समाज के वंचित वर्ग के बच्चों में शिक्षा की अलख जगाते हुए प्रेरणादायी पहल की। सामाजिक असमानता के चक्र को तोड़ने के उद्देश्य से जन जन में शिक्षा का दीप जलाते हुए निवेदा ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, पुणे, कालसर आदि स्थानों पर लगभग 10 शिक्षा केन्द्र स्थापित कर वंचित वर्ग के लिए शिक्षा के द्वार खोल दिये। समाज के समग्र विकास के लिए महिलाओं का शिक्षित व सशक्त होना बेहद जरूरी है, इस विचार से प्रेरित होकर निवेदा फाउंडेशन ने महिला कौशल विकास के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का बीड़ा उठाया। नोएडा के ममूरा गांव में एक औद्योगिक सिलाई प्रशिक्षण केंद्र व निठारी गांव में दो सिलाई प्रशिक्षण केंद्र स्थापित कर महिला विकास के स्वर्णिम अवसर खोल दिये। यहां आर्थिक रूप से कमजोर महिलाएं निःशुल्क प्रशिक्षित होकर अपने हुनर से विकास कर रही हैं। निवेदा फाउंडेशन युवाओं के विकास में भी खासा योगदान दे रहा है। युवा विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए परामर्श एवं मार्गदर्शन से संस्था जहां एक तरफ सकारात्मक, सार्थक मार्ग दिखा रही है वही दूसरी तरफ तरुणाई को लक्ष्य निर्धारण टिप्स के साथ डिजिटल मार्केटिंग, आईटी, रसद पाठ्यक्रमों की तरफ प्रोत्साहित कर रही है।

इसके अलावा निवेदा ग्रामीण क्षेत्रों खास तौर पर उपेक्षित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा व कल्याण को बढ़ावा देते हुए समय समय पर स्वास्थ्य शिविर व जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर सेहत की नेमत बाट रही है। महिला स्वास्थ्य के प्रति गम्भीर होते हुए निवेदा फाउंडेशन ने सेनेटरी नेपकिन निर्माण मशीन लगाकर महिलाओं को पर्यावरण अनुकूल सस्ती सेनेटरी नेपकिन उपलब्ध करवा कर उन्हें अनहोनी व खतरों से बचा रही है। संस्था की यह मशीन पर्यावरण के अनुकूल सेनेटरी नेपकिन का उत्पाद करती है जो न सिर्फ बाजार से बेहद सस्ती है बल्कि सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि की महिलाओं के लिए सुलभ भी है। इसके साथ ही संस्था महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता बढ़ाने के लिए जागरूक भी कर रही है। और महिलाओं के लिए रोजगार सृजन भी कर रही है। दीर्घकालिक विकास के लिए भी निवेदा प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। पर्यावरण संरक्षण की पहल करते हुए नोएडा के कचरे वाले क्षेत्रों को साफ कर उन्हें सुंदर पार्कों में तब्दील करने के साथ साथ दीवालों पर वालपेन्टिंग करवा कर पर्यावरणीय सन्देश देते हुए पर्यावरण के प्रति लोगो को जागरूक करने का सार्थक सन्देश दिया। मानवाधिकार संरक्षण मानवीय विकास के लिए मूलभूत मूल्य है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगो के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए संस्था सतत प्रयत्नशील नजर आती है। इसके अलावा फाउंडेशन आर्थिक रूप से कमजोर बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रही है और अपने प्रयासों से अभियान सार्थक बना रही है।

समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में शिक्षा की अलख जला कर सामाजिक विकास में अपना अहम योगदान दे रही निवेदा फाउंडेशन को कुंवर स्वरूप भटनागर स्मृति शिक्षा पुरस्कार दृ 2023 के साथ नकद राशि रूपये 11,000/= एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित कर हम स्वयं को गौरवांवित महसूस कर रहे हैं।

# श्रीमती सोनिया कोहली सामाजिक विशेष सहयोग पुरस्कार-2023

## श्री तेजिंदर सिंह बेदी

विरासत में मिली समाजसेवा की भावना को अपना धेय्य बनाने वाले श्री तेजिंदर सिंह वेदी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के दिनों में ही सामाजिक मुद्दों पर लिखकर अपनी कलम से सामाजिक विकास के प्रयास की शुरुआत की। इनके बाबा शिव ( दास) सिंह बेदी और पिता श्री अमरजीत सिंह बेदी महान सामाजिक कार्यकर्ता रहे हैं।

लेखन के साथ साथ मध्य स्तर के स्कूली बच्चों को मुफ्त ट्यूशन पढ़ाने के लिए स्वैच्छिक शिक्षण की शुरुआत की। 1970 के दशक में अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री पूर्ण करने पश्चात इन्होंने सरकारी ठब्म्स जैसी इकाई में जनप्रबन्धन विशेषज्ञ के रुप में अपने कैरियर की शुरुआत की। अपनी मेहनत व लगन बूते जल्द ही वह मानव संसाधन संचालन के क्षेत्र में सभी सरकारी व बहु राष्ट्रीय कम्पनियों की पहली पसंद बन गए। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री वेदी ने पत्रकारिता एवं संगीत के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई। इन्होंने अनेकों सामाजिक बिंदुओं पर लंबे अरसे से अत्यंत रचनात्मक एवं सकारात्मक रूप से दूरदृष्टिता के साथ एक पत्रकार के रूप में निःस्वार्थ सेवा की।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामुदायिक जुड़ाव व उत्थान के क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं को चिंहित कर हर संभव समर्थन जुटाने हेतु इनकी और इनकी कलम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गरीब, वंचित और दूरदराज के गांवों में रहने वाले गरीब परिवारों की जिंदगियो में सुधार लाने में इनके प्रयासों का विशेष योगदान रहा। श्री बेदी सदैव सामाजिक कार्यो जैसे भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं में तत्काल सहायता या शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए भावुक गायक के रुप में अथवा धार्मिक सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए सावर्जनिक कार्यक्रमों में सदैव अपना सक्रिय व निःस्वार्थ योगदान देते रहे हैं। इनके द्वारा नोएडा प्राधिकरण में एक सप्ताह की सर्व धर्म संध्या के संचालन को आज भी याद किया जाता है। श्री बेदी ने उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन नोएडा चेप्टर में कल्वरर सेक्रेटरी के रुप में निःशुल्क सेवा प्रदान की। इनकी सामाजिक कार्यो को यदि सूचीबद्ध किया जाय तो एक लंबी सूची तैयार होती हैं। संक्षिप्त में हम यह कह सकते है कि चाहे वो एंटी टेररिस्ट फ्रंट के निःशुल्क मीडिया प्रभारी रहे हों या विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रतिनिधि या पदाधिकारी हर मोर्चे पर इन्होंने अपने दायित्व का सफल निर्वहन करते हुए सामाजिक विकास को गति प्रदान की है। इन्होंने अनेकों अग्रणी सेवा संस्थाओं जैसे नोएडा लोकमंच, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, नवरत्न फाउंडेशन्स, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी गुड़गांव, इंडियन कैंसर सोसायटी आदि से जुड़कर निःस्वार्थ समाजसेवा प्रदान की।

श्री बेदी की कलम ने उस समय भी एक अहम भूमिका निभाई जब प्रदेश में नोएडा शहर को गाजियाबाद में सम्मिलित करने की सियासी शुरुआत हुई।

इन्होंने मुख्य रूप से अशिक्षित महिलाओं, बच्चों को शिक्षा, साक्षरता, जीवन कौशल प्रशिक्षण, निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ, कोढ़ से पीड़ित परिवार की सहायता, मैला ढोने वाले, फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों तथा शारीरिक व मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की सहायता, तेजाब हमलों से पीड़ित महिलाओ की सहायता, बृद्धाश्रम, अनाथालय के बच्चों, वृद्धों के जीवन मे खुशहाली लाने जैसे अनेकानेक अनुकरणीय कार्य संपन्न किये हैं। समाज का कोई भी वर्ग इनकी सेवा से अछूता नही रहा। रक्तदान, नेत्र/अंग दान जैसे जनजागरूकता कार्यक्रमों से जुड़कर इन्होंने समाज मे जनजागरूकता फैलाने का कार्य किया। एनसीआर के विभिन्न चिकित्सीय संस्थानों के सक्रिय सहयोग से रक्तदान शिविर लगाकर जरूरतमंदों की जान बचाने में महत्वपूर्ण प्रयास करने वाले श्री बेदी एम्स के नेत्र/अंग दान सम्बन्धी प्रयासों से भी जुड़े हैं। श्री बेदी एक लंबे अर्से से न केवल एक जाने माने इंजीनियर, टेक्नोक्रेट, मानव संसाधन विशेषज्ञ, सेवी के साथ साथ एक संजीदा लेखक, पत्रकार, भावुक गायक एवं बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी संवेदनशील समाजसेवी के रुप में पहचाने जाते हैं। सतगुरु नानकदेव जी की 15वीं पीढी में जन्मे अपने शरीर व अंगों को दान हेतु एम्स में गिरवी रख चुके श्री तेजिंदर सिंह बेदी को नवरत्न परिवार श्रीमती सोनिया कोहली सामाजिक विशेष सहयोग पुरस्कार 2023 के साथ नकद राशि रूपये 11,000/= एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित कर हम स्वयं को गौरवांवित महसूस कर रहे हैं।

# राजकुमारी चंद्रा रिख राज सेवक स्मृति पुरस्कार-2023

## डा. अतुल चौधरी एवं डॉली कुमारी, नोएडा

नोएडा को स्वच्छ, स्वस्थ्य, हरा भरा व खुशहाल रखने के उद्देश्य से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय डॉ अतुल चौधरी एवं समाजसेवी ए डॉली कुमारी द्वारा सामाजिक उत्थान के लिए किए गए प्रयास अतुलनीय हैं।

डॉ अतुल चौधरी भारत सरकार के स्वच्छता सारथी फेलोशिप के लिए भी काम करते हैं जिसका प्रबंधन सीधे भारत के प्रधानमंत्री के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा किया जाता है।

नोएडा सेक्टर 82 निवासी प्रकृति प्रेमी डॉ अतुल ने एक पार्क को गोद लेकर पर्यावरण के प्रति अपनी संवेदनशीलता को प्रकट किया। यह पार्क गोद लेने से पूर्व गंदगी से भरा हुआ था। इनके 5 वर्षों के अथक प्रयास ने इस पार्क को न सिर्फ नवजीवन प्रदान किया बल्कि सुंदर व सुरम्य बना दिया।

डॉ अतुल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए कई ऑनलाइन शो की मेजबानी भी की थी। इन्होंने ग्रामीण शिक्षा के लिए भी सराहनीय कार्य किये । अपनी शिक्षण सेवाएं देने के लिए इन्होंने अपने आसपास के ग्रामीण स्कूलों को चुना। समय समय पर डॉ अतुल अपने परिवार के सदस्यों के साथ सप्ताहांत अपनी स्वच्छता सेवाएं भी प्रदान करते हैं। नोएडा के घटते जल स्तर की विकट समस्या को देखते हुए इन्होने जल संरक्षण के लिए भी सार्थक प्रयास किये। पानी की बर्बादी को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया। दीवार पेंटिंग, समाज के बीच जल पुनर्जीवन/जागरूकता कार्यो से लगातार जल संरक्षण का संदेश दे रहे हैं।

फुटपाथों पर लेटे असहाय लोगों को ठिठुरती ठंड में सर्दी से सिकुड़ते देख डॉ अतुल वस्त्र वितरण कार्य का संकल्प लिया। इस संकल्प को पूरा करने के लिए वह शीतकाल में गरीब व निराश्रितों को गर्म वस्त्र प्रदत्त कर रहे हैं। इसके अलावा मासिक धर्म से जुड़ी स्वास्थ्य स्वच्छता के लिए भी जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं तथा ग्रामीण और झुग्गी क्षेत्रो में निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित कर रहे हैं।महानगरीय जीवन की गति को सुरक्षित बनाने हेतु बनाये गए ट्रैफिक नियमो की अवहेलना हमे एक बहुत बड़ा आघात दे सकती है। इस विषय की गम्भीरता को देखते हुए सड़क सुरक्षा का अमृत कलश लेकर निकले डॉ अतुल ने समाज मे ट्रैफिक नियमो की जागरूकता एवं अनिर्वायता का संदेश दिया। ।उन्होंने ने नोएडा प्राधिकरण के साथ मिलकर नोएडा को स्वच्छ और हरा भरा बनाने के लिए कई कार्यक्रमों का सफल संचालन कर वृक्षारोपण किया।

इनके सेवाकार्यो में कदम से कदम मिलाकर साथ चलने वाली इनकी पत्नी, एमएसडब्ल्यू के अंतिम वर्ष की छात्रा 28 वर्षीय डॉली कुमारी सामाजिक और शारीरिक स्वच्छता की प्रहरी बनकर अपने सामाजिक कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन कर रही हैं। नेहरू युवा केंद्र की राष्ट्रीय स्वयंसेवक डॉली कुमारी महिलाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में शिक्षित करने का कार्य कर रही हैं। कई वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत रूप से सेनेटरी पैड का वितरण भी कर रही हैं। प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इनके कार्य की सराहना अपने ट्विटर वाल पर इनकी तश्वीरें साझा कर सकारात्मक संदेश दे चुके हैं।

पर्यावरणीय सन्देश देते हुए ये कई वर्षों से प्लास्टिक के पुनः उपयोग को प्रचारित व प्रसारित कर रही हैं।

सामाजिक कार्यो के प्रति जुनूनी डॉली कुमारी नियमित रूप से अपने घर के पास के यमुना घाटों पर जाकर उन्हें साफ सुथरा करती। यह कई गैर सरकारी संगठनों के साथ जुड़कर पिछले 5 वर्षों से प्रत्येक रविवार समाजसेवा को समर्पित कर समाज मे क्रियात्मक रुप से स्वच्छता का संदेश दे रही हैं। अपने आसपास का वतावरण स्वच्छ रखने की इनकी इस मुहिम में अब पड़ोसी भी रुचि दिखाने लगें हैं। पर्यावरणीय असंतुलन को दूर करने के लिए डॉली कुमारी नियमित रुप से वृक्षारोपण गतिविधियों में सक्रिय रहती हैं। उन्होंने अपनी सोसायटी के पार्क की सफाई कर वृक्षारोपण द्वारा कायाकल्प कर दिया। इनके द्वारा किये गए कार्यो का समाज पर पड़ने वाला सकारात्मक प्रभाव समाज को उनके कर्तव्यों का बोध कराता है। जीवन मे हर पल के साथी डॉ अतुल चौधरी एवं ए डाली कुमारी के सामाजिक विकास की प्रतिबद्धता एवं समर्पण को देखते हुए इस अतुलनीय दम्पत्ति को संयुक्त रूप से नवरत्न एवार्ड 2023 से सम्मानित कर हम स्वयं को गौरवांवित महसूस कर रहे हैं।

## श्रीमती इंद्रजीत कौर, कल्याण एनजीओ

जनकल्याणार्थ सृजित समाजसेवी संस्था कल्याण मानव सेवा कर आर्थिक रूप से कमजोर लोगो को मुख्यधारा में लाकर मुस्कान बिखेर रही है।

जरूरतमंदों की सेवा, सहायता के उद्देश्य से इंद्रजीत कौर ने कल्याण एनजीओ की स्थापना 2013 में की थी। मानवीयता का प्रदीप्त दीपक प्रज्ज्वलित कर रही संस्था कल्याण की शुरुआत कल्याण संस्थापक इंद्रजीत कौर के अस्पताल में नियमित दौरे से हुई। यहां संस्थापक इंद्रजीत कौर ने महीनों दवाओं, भोजन आदि के जरूरतमंद बीमार, तीमारदारों को पीड़ा बहुत नजदीकी से देखा व समझा। इन जरूरतमंदों को संभव राहत पहुंचाकर संघर्षशील मरीजों व तीमारदारों क्षुधा तृप्ति के साथ जरूरी दवाएं पहुंचाने की शुरुआत की। कल्याण का यह क्षुधा तृप्ति अभियान अस्पतालों तक न सीमित होकर लंगर के रूप में मलिन बस्तियों में भी जा पहुंचा। मौजूदा समय मे दिल्ली के कई अस्पतालों में पांच वक्त का खाना, दिल्ली राज्य के कैंसर अस्पताल में 6 दिनों तक लंगर, जरूरतमंद मरीज को दवाइयां आदि उपलब्ध करवाई जाती हैं। गरीब की मदद उनके स्टार्टअप्स के अंत मे भी की जा रही है। शारीरिक रूप से दिव्यांगों को ढाई दर्जन से ज्यादा व्हील चेयर प्रदत्त कर उनके जीवन मे खुशहाली को गति प्रदान की, व्हील चेयर पाकर दिव्यांग एवं उनके परिजनों के नेत्र खुशी से सृजल हो गए। इस तरह समय समय पर दिव्यांगों के काश के आकाश में पंख लगाकर कल्याणकारी अभियानों, योजनाओं से कल्याण एनजीओ उनको मुख्यधारा में लाने का भगीरथ प्रयास कर रही है।

वैश्विक महामारी कोरोना जब देश में तबाही के मूड में था और देश की अर्थव्यवस्था लगभग थम सी गयी थी, संक्रमणकाल के उस दौर में कल्याण एनजीओ ने संस्थापक इंद्रजीत कौर के मार्गदर्शन में 20000 भोजन एवं 3000 राशन किट प्रदत्त कर जरूरतमंदों को कोरोना से चल रही जंग में संबल प्रदान किया। कल्याण संस्था रक्तदान में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती है और लोगो को रक्तदान के लिए प्रेरित भी करती है। कल्याण संस्थापक इंद्रजीत कौर ने स्वयं 40 बार रक्तदान कर समाज में प्रेरणादायी मिशाल पेश की है।

आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षित कर विकसित समाज की परिकल्पना साकार करने के उद्देश्य से कल्याण एनजीओ ने पटपड़गंज स्लम के 60 बच्चों को गोद लेकर उनके शैक्षिक व शारीरिक विकास का बीड़ा उठाया। उन बच्चों को विद्यालय में दाखिला करवा कर उनके भोजन आदि की समुचित देखभाल कर रहा है। इसके अलावा इंद्रजीत कौर के निर्देशन पर 5 शिक्षक नियुक्त कर एनजीओ कल्याण झुग्गी झोपड़ियों में शिक्षाकी अलख जला रहा है। जरूरतमंद कल्याणार्थ माता का आशीष प्रोजेक्ट शुरू कर जरूरतमंदों को रोजगार देकर उन्हें सशक्त बनाने में मदद की। अपने क्षुधा तृप्ति सेवा अभियान में 2017 में 4 लाख से अधिक लोगो को खाना परोस कर कल्याण एनजीओ ने अनुकरणीय मिसाल पेश की है। लोक कल्याणकारी प्रयासों से जरूरतमंदों की सेवा कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरती संस्था कल्याण एनजीओ की संस्थापक इंद्रजीत कौर को नवरत्न पुरस्कार 2023 से विभूषित कर हमे बेहद खुशी की अनुभूति हो रही है।

## श्री पंकज शर्मा, दद्दा फाउंडेशन

अशिक्षा को अभिशाप मानने पंकज शर्मा ने अपने साप्ताहिक दोनों अवकाशों को झुग्गियों में रहने वाले स्कूल से ड्राप आउट बच्चों को समर्पित कर उन्हें पढ़ाने का बीड़ा उठाया। 2016 में हुई इस एकल शुरुआत ने वर्तमान समय मे दादा फाउंडेशन का विशाल रूप धारण कर लिया है। इस फाउंडेशन के अंतर्गत नोएडा सेक्टर 66 की झुग्गियों में दो और अयोध्या में एक निःशुल्क शिक्षण केंद्र स्थापित किया गया है। इन केंद्रों में अनुभवी शिक्षकों द्वारा बच्चों के लिए दो घण्टे की कक्षा लगाई जाती है। यह संस्था लगभग 250 विद्यार्थियों को शिक्षित कर रही है। शिक्षा के साथ भोजन, कपड़ा, चिकित्सा व अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाती हैं। दादा फाउंडेशन के संस्थापक श्री शर्मा ने अपना जीवन आर्थिक पिछड़े वर्ग के विकास के लिए समर्पित कर दिया है। फाउंडेशन झुग्गियों में रह रहे लगभग 250 लोगो को अपना परिवार मानते हुए उनके सदस्य के रूप में कार्य कर उनकी सहायता कर रही है।

दादा फाउंडेशन वर्तमान समय मे 200 से अधिक विद्यार्थियों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान कर लिखने और पढ़ने योग्य बना चुका जिसमे से 50 से अधिक बच्चों को आगे की शिक्षा के लिए अन्य विद्यालयों में दाखिला करवाया गया है। अपने प्रोफेशनल सहयोगियों के सहयोग से फाउंडेशन विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसिल की सुविधा भी उपलब्ध करवाती है। इस काउंसिलिंग में डॉक्टर, इंजीनियर, योग शिक्षक, वकील आदि प्रतिष्ठित वर्ग बच्चों का निःशुल्क मार्गदर्शन कर अपने सामाजिक कर्तव्यों का निर्वहन करता है। फाउंडेशन वालेंटियर कार्यक्रमों इन विद्यार्थियों को अपने साथ जोड़कर समाजसेवा के लिए प्रेरित करती है। बाल शोषण, घरेलू हिंसा, दहेज, वैवाहिकसामंजस्य समस्या के विवादों को फाउंडेशन पुलिस की मदद से सुलझाने का काम कर रही है। एक 11 माह के बीमार शिशु को कूड़ेदान से उठाकर दादा फाउंडेशन ने मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने का कार्य किया। गरीबी और बेवसी का यह विकृत रूप देखकर श्री पंकज शर्मा का मन आत्मग्लानि से भर उठा। श्री शर्मा यह बखूबी जानते थे कि इस आर्थिक असमानता को सिर्फ शिक्षा द्वारा ही दूर किया जा सकता है। उन्होंने इस बीमार बच्चे का पूर्ण इलाज करवाकर उसके मजदूर अभिभावक को सौप दिया। इसी क्रम में नोएडा सेक्टर 66 के एक धोबी अभिभावक द्वारा पुत्री को चित्रकारी करने पर प्रताड़ित करना संज्ञान में आया तो दादा फाउंडेशन ने उस छात्रा की प्रतिभा को संसाधन प्रदान कर उसके माता पिता की काउंसिलिंग करवाई। वर्तमान में वह छात्रा कला के क्षेत्र में अनेकों पुरस्कार अर्जित कर अपने परिवार, समाज, स्कूल का नाम रोशन कर रही है। फाउंडेशन ने उस बच्ची के सभी भाई, बहनों का दाखिला स्कूल में करवाया। दादा फाउंडेशन समाज मे फैले अंधविश्वासों तथा कुरीतियों का विरोध करते हुए लोगो को जागरूक करने का कार्य कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगो एवं दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए फाउंडेशन समय समय पर ट्राई साइकिल, रिक्शा व ठेली प्रदत्त कर रही है। झुग्गियों में रह रहे कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए दादा फाउंडेशन प्रतिबद्धता के साथ उनके संस्थानों, मालिको से न्याय दिलाने हेतु ततपर रहती है। आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के स्वास्थ्य के लिए दादा फाउंडेशन झुग्गी इलाकों में समय समय पर अनुभवी डॉक्टरों द्वारा चिकित्सीय शिविर तथा जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन कर सेहत की नेमत बांट रही है। चिकित्सीय शिविर में निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श के साथ साथ रक्त परीक्षण व दवाएं भी दी जाती हैं।

समाज के सभी जरूरतमंदों के लिए एक बड़े भाई का हांथ बनकर सेवाकार्य करने वाली दद्दा फाउंडेशन के संस्थापक श्री पंकज शर्मा को नवरत्न एवार्ड 2023 से सम्मानित कर हमें सुखद अनुभूति हो रही है।

# समाजसेवी दीपा सेवी, हिन्दराइज सोशल वेलफेयर फाउंडेशन

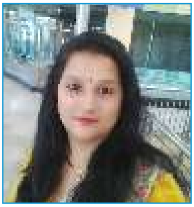

वैश्विक स्तर पर तबाही मचा रहे अदृश्य राक्षस रूपी कोरोना संक्रमण ने भारत मे भी विकराल रूप दिखाया। कोरोना के भारत पदार्पण के साथ ही उससे निपटने के लिए सरकारों के साथ साथ समाजसेवियों ने भी कमर कस ली थी। इसी कड़ी में हिन्दराइज सोशल वेलफेयर फाउंडेशन कोरोना की पहली लहर में सरकार व समाज के बीच सेतु बनकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। समाजसेवी दीपा देवी की अगुवाई में फाउंडेशन ने क्षुधा तृप्ति सेवा कर आर्थिक रूप से कमजोर, मजदूर व मजबूर लोगो को सूखा राशन व अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई। उस भयावह दौर में लोग नौकरी, व्यवसाय आदि आय के साधन खो चुके थे ऐसी दशा में पके खाने का पैकेट लोगो तक पहुंचा कर क्षुधा तृप्त की। कोरोना के खिलाफ जंग में मजबूती से अपनी आमद दर्ज करवाते हुए फाउंडेशन ने जगह जगह जागरूकता अभियान चला कर दो गज दूरी, मास्क है जरूरी, हैंड सेनेटाइज आदि पर जागरूक कर निःशुल्क मुह मास्क का वितरण किया। फाउंडेशन ने गौतमबुद्ध नगर की पुलिस के साथ मिलकर सभी थानों में ऑटोमेटिक सेनिटाइजर मशीन लगवाई, पुलिसकर्मियों व अन्य लोगो को मास्क प्रदत्त कर कोरोना जंग में विजयी आगाज किया। धार्मिक क्षेत्र में मंदिरों में ऑटोमेटिक सेनिटाइजर मशीन लगवाकर, पुजारियों व श्रद्धालुओ को निःशुल्क मास्क प्रदत्त किये साथ ही उन्हें कोरोना महामारी के प्रति जागरूक भी किया।

कोरोना की दूसरी लहर जानलेवा थी। इस बार कोरोना लोगों की सांस पर वार कर रहा था। संक्रमित व्यक्ति का ऑक्सीजन लेबल तेजी से गिर रहा था। ऐसी दशा में संज्ञान में आये संक्रमित मरीज को ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था कर उसमें प्राणवायु फूंकने का सार्थक प्रयास किया। गौ सेवा केंद्र पर 150 से अधिक गौ माताओं के लिए चारा पानी मुहैया करवाया। सेक्टर 135 में स्थित देशी गौमाताओं की सेवा करने वाले गरीब मजदूर बच्चों की शिक्षा के लिए पाठशाला भी चलाई जाती है। साथ ही पुलिस व अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर महिला अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का कार्य किया। हिन्दराइज गौशाला के माध्यम से बीमार गायों का इलाज करवा कर अलग अलग गौशालाओं में भिजवा दिया जाता है। स्वच्छ नोएडा, हरा नोएडा की परिकल्पना को साकार करने के लिए सक्रिय हिन्दराइज की सेवी दीपा देवी अक्सर साफ, सफाई के मुद्दों पर नोएडा अथॉरिटी का ध्यान आकर्षित करवा कर प्रयासरत रहती हैं। वह स्वच्छता प्रहरियों को प्रोत्साहित कर अनदेखी जगहों पर स्वच्छता हेतु प्रेरित करती नजर आती हैं।

शहर को स्वस्थ्य बनाने के उद्देश्य से हिन्दराइज हेल्थ कैम्प लगवाकर अनुभवी चिकित्सको व उनकी टीम से निशुल्क परामर्श, जांच आदि से सेहत की नेमत बांट रही है। झुग्गी बस्तियों की महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक कर समाजसेवी दीपा देवी टीम इस दौरान गंदगी से होने वाली भयानक बीमारियों से सचेत कर सेनेटरी पैड से सुरक्षा के फायदे समझा रही हैं। चाहे निर्धन कन्या का विवाह हो या शिक्षा हर मामले में समाजसेवी दीपा देवी हिन्दराइज टीम के साथ आगे खड़ी नजर आती हैं। समाजिक विकास में अनुकरणीय योगदान दे रही हिन्दराइज सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की समाजसेवी दीपा देवी को नवरत्न एवार्ड से सम्मानित करते हुए सुखद अनुभूति हो रही है।

# नवरत्न कोरोना सुपर हीरो नवरत्न एवार्ड-2023

## श्री प्रदीप वोहरा

कोरोना संकमण का वह भयावह दौर जब अदृश्य राक्षस रूपी कोरोना वैश्विक स्तर पर तबाही मचा रहा था। संक्रमण काल बनकर भारत मे भी जिंदगियां लील रहा था। संक्रमण से अपनी जान बचाने के लिए लोग अपने बीमार लोगो के पास भी नही जा रहे थे, यहां तक कि कोरोना से दिवंगत लोगो की अंतिम यात्रा, श्मशान घाटों पर भी नही जा रहे थे। भय व खामोशी के उस दौर में अपनी जान की परवाह न करते हुए नोएडा वासियों की सेवा के लिए कोरोना के खिलाफ कर्मठ योद्धा के रूप में निःस्वार्थ भाव निकलकर आगे आये श्री प्रदीप बोरा ने अपनी निडरता व सेवा से प्रेरणादायी मिशाल कायम की।

हालांकि कोरोना संक्रमण का भारत पदार्पण 30 जनवरी 2020 में हो गया था, जब केरल में पहला छात्र कोरोना संक्रमित पाया गया था। तमाम प्रयासों के बावजूद वैश्विक स्तर पर भयानक विनाश कर रहा कोरोना भारत मे भी विनाशकारी रूप धर चुका था। इस संक्रमण से लगभग सभी डरे हुए थे। यहां तक बहुत से संक्रमितों के परिजन भी कोरोनाग्रस्त रोगी के पास जाने से कतरा रहे थे। ऐसी दशा देखकर खुद की परवाह न करते हुए भावुक होकर लोगो की सेवा में निःस्वार्थ भाव से निकले श्री वोहरा जहां एक तरफ क्षुधा तृप्ति सेवा से मजदूरों, मजबूरों की क्षुधा तृप्त करनी शुरू की वहीं दूसरी तरफ जरूरतमंदों को दवाइयां आदि पहुंचाकर सेहत की नेमत बांटनी शुरू की। संकरण चरम पर था और श्री वोहरा जरूरतमंदों को भोजन बांट रहे थे। इस दौरान लोगो के घर परिवार की मूलभूत आवश्यकताओं की भी पूर्ति करते।

संक्रमण का ऐसा भयावह दौर जब हर पल कोई न कोई अप्रिय घटना सुनाई दे रही थी, डारे सहमे लोग बस ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे कि देश मे खुशहाली लौट आये। लोगो मे डर इतना था कि अपने बीमार की तीमारदारी भी नही कर पा रहे थे। ऐसी दशा में कई मरीजों की तीमारदारी कर इन्होंने उनका हौसला बढ़ाया। स्थिति इतनी भयावह थी कि कोरोना पीड़ितों के परिवार वालो ने संक्रमण के डर से साथ छोड़ दिया था, कोरोनाग्रस्त मरीज के दिवंगत होने पर कंधा देने तक नही आ रहे थे। ऐसे माहौल में श्री वोहरा ने दिवंगतों का परिवार बनकर रीतिरिवाजों के साथ उन्हें अंनत यात्रा पर विदा किया। अंतिम संस्कार स्थल पर कोरोना पीड़ित शवो को कंधा देने जो परिजन आ भी रहे थे वह भय व दुःख से बेहाल थे। उनकी दशा व मनोदशा देखकर श्री वोहरा ने सूक्ष्म जलपान आदि की व्यवस्था कर उनके दर्द को बांटने का काम किया, साथ ही उन्हें सामान्य करने का प्रयास किया। इस दौरान श्री वोहरा एक प्रतिष्ठित कंपनी में बड़े पद पर कार्यरत थे जहां से अवकाश लेकर इन्होंने लगभग ढाई महीने कोरोनाकाल के उस भयावह दौर में दुखी, मजबूर की सेवा में लगा दिए।

कोरोनाकाल में कर्मठ योद्धा का दायित्व निभाने वाले श्री प्रदीप वोहरा नोएडा क्षेत्र में वर्षों से निःस्वार्थ भाव से समाजसेवा करते आ रहे हैं। शहर स्वच्छता का मामला हो या पर्यावरण संरक्षण का श्री वोहरा क्रियात्मक रूप से बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। ।सामाजिक उत्थान सम्बन्धी जनजागरूकता कार्यक्रमों में भी प्रतिभाग लेकर जनजागृति करते नजर आते हैं।

कोरोनाकाल में निडरता के साथ इनकी अनुकरणीय सेवा को देखते हुए समाजसेवी श्री प्रदीप वोहरा को कोरोना सुपर हीरो नवरत्न एवार्ड 2023 के सम्मान से सम्मानित कर हमें खुशी की अनुभूति हो रही है।

# नवरत्न सामाज कल्याण विशेष एवार्ड-2023

## श्रीमती पूनम दीवान, अध्यक्ष उमंग संस्था

सामाजिक संस्था उमंग, मेसोनिक विरादरी की महिलाओं का एक संघ है जो ग्रैंड लॉज ऑफ इंडिया के बैनर के अंतर्गत कार्य करता है। फ्री मैसोनरी भारत मे 250 वर्षों से अधिक समय से अस्तित्व में है, पूरी दुनिया मे लगभग 150 से अधिक ग्रैंड लॉज काम कर रहे हैं। भारत मे लगभग 20 हजार फ्रीमेशन (सदस्य) हैं।

फ्रीमेशनरी दुनिया के सबसे पुराने धर्म निरपेक्ष समाजों में से एक है। यह ईश्वर के पितृत्व और मनुष्य के भाई चारे के सिद्धांत पर आधारित एक विश्वव्यापी संगठन है। इसका उद्देश्य दुनिया को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाना है।

समाजसेवी पूनम दीवान ने संस्था अध्यक्ष होने के नाते विभिन्न धर्मार्थ कार्यो के साथ अपने शरीर, मन, आत्मा को सुधारने और बढ़ाने के लिए एक मंच बनाया, व्याख्यान और प्रदर्शन के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित करने के अलावा यह संस्था सदस्यों के ज्ञान और कौशल को एक दूसरे के साथ साझा करने का मार्ग प्रशस्त करती है। उमंग संस्था समाज मे किसी व्यक्ति, वर्ग, समुदाय के विरुद्ध शोषण, अन्याय एवं भ्रष्टाचार पाए जाने पर संघर्ष करती।

उमंग संस्था समाज मे महिलाओं की स्थिति को ऊपर उठाने का कार्य हो या महिलाओं के उत्पीड़न से सम्बंधित मुद्दों के लिए आवाज उठाना हो, या अपने वातावरण को प्रदूषण मुक्त करने के लिए जागरूकता का प्रचार करना हो, हर क्षेत्र में संस्था समाज के हर वर्ग के साथ खड़ी दिखाई देती है।। शिक्षित बेरोजगारों के लिए स्वरोजगार या प्रौढ़ों के लिए प्रौढ़ शिक्षा या असहाय लोगो को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना हो, हर मर्ज की दवा बनकर समाज का उत्थान करने के लिए यह संस्था उमंग सदैव ततपर रहती है। यह संस्था उमंग जीवन की अच्छी आदतों, नैतिक मूल्यों, और आत्मविश्वास विकसित करने तरीको आदि के प्रसार के लिए मंच, सेमिनार व शिविर का आयोजन करती है।

कहते हैं कि भारत देश की आत्मा गांवों में बसती है। यदि देश का विकास करना है तो हमें गांवों का विकास करना होगा, इस संकल्प को साकार करने हेतु यह संस्था उमंग गांव के लोगो के समग्र विकास व उत्थान के लिए छात्रवृत्ति/वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, भूकंप, दुर्घटना आदि से पीड़ित लोगों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से यह संस्था धन जुटाने के साथ इस तरह से व्यय करती है जिससे उमंग के लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति को बढ़ावा मिले।

नंगे पांव चलने वालों को निःशुल्क चप्पल, कड़ाके की सर्दी से सिकुड़ते लोगो को कंबल कंबल का संबल, निराश्रित बच्चों को घर, गरीब बेटियों की शादी, तथा नवविवाहितों को उपहार आदि सद्कार्यों में उमंग संस्था बढ़ चढ़ कर उमंग के साथ योगदान दे रही है। वंचितों तक पहुंचने का इस संस्था का मिशन एवं विजन मानवीयता का वह प्रदीप्त दीपक है जिसे संस्था जहां तक पहुंच रही है प्रज्ज्वलित कर रही है।

सामाजिक उत्थान के लिए निःस्वार्थ एवं समर्पित भाव से पूरी उमंग के साथ प्रयास कर रही समाजसेवी संस्था उमंग की अध्यक्ष पूनम दीवान को नवरत्न सामाज कल्याण विशेष एवार्ड 2023से सम्मानित कर हमें गर्व की अनुभूति हो रही है।

# Navratan Foundations- As I see

**Jamil Ahmad**
*Patron, Navratan Foundations*
*Director General, Sunderdeep Group Of Institutions*

I have the goof fortunate of being associated with Navratan Foundations. I have the impact that the foundation is driving on numerous occasions such as cultural programs, free education for underprivileged kids, and providing vocational training to women and their daughters.

The beauty of this organization is that every social work program is supervised by a team of driven, sincere, knowledgeable people. Honesty and integrity are maintained alongside a transparent, accountable system.

All team members deserve special commendations. The President of society Shri Ashok Srivastava has cultivated himself in such a way that attitude and behavior always give attitude and behavior attract all of us to be part of Navratan Foundations. He has the qualities to be an ideal role model and leader to all the participants.

The primary objectives of the prganization is the upliftment of unseen talent. We have all seen that more than thousand participants have been provided platforms and opportunities to practice their talent with moto- 'More you practice, better you become'. All of them have become better rather many of them have been performing at National Level.

# ब्रह्मलीन आर एल लवानिया जी

## स्वर्गीय रामेश्वर लाल लवानिया जी

### सलाहकार, नवरत्न फाउंडेशन्स

आर एल लवानिया जी नवरत्न फाउंडेशन्स के सलाहकार और उसके एक सुदृढ़ स्तम्भ रहे। पेशे से इंजिनियर एवं वित्तीय सलाहकार, मन से संकल्पित समाजसेवी लवानिया जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे।

सरल स्वभाव, परिवारी जनों के साथ सभी के अति प्रिय रहे लवानिया जी ने अपना सारा समय सामाजिक सेवा में अर्पित किया और नोएडा और उसके इर्द गिर्द की शायद ही कोई संस्था रही होगी, जिसको उनका वरद हस्त या सहयोग का आश्रय न मिला हो।उनका आचरण, सदव्यवहार, ख्याति, विनम्रता का विस्तार इतना था कि वे व्यक्ति से संस्था बन गए थे।

ऐसे उत्कृष्ट आदरणीय, निर्भीक, सत्यनिष्ठ, कर्तव्यनिष्ठ समाजसेवी को हमारी हार्दिक श्रद्धांजलि।

# चित्रांश ओम प्रकाश कामठान शिक्षा पुरस्कार–2023

## मिस इकरा सैफी

बी आर पब्लिक इन्टर कॉलेज, परथला, खंजरपुर, नोएडा

**मिस इकरा सैफी, बी आर पब्लिक इन्टर कॉलेज, परथला, खंजरपुर, नोएडा** की छात्रा को जिला गौतम बुद्ध नगर में उत्तर प्रदेश बोर्ड की 10वीं कक्षा की वर्ष 2023 की परीक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए **चित्रांश ओम प्रकाश कामठान शिक्षा पुरस्कार–2023 के संग नकद राशि 11000/– रूपये स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया।**

जासं, नोएडा: माता-पिता, अध्यापक, स्वजन के भरोसे व मार्गदर्शन से सफलता की डगर सुनिश्चित हुई है। यह कहना है यूपी बोर्ड के हाईस्कूल में परीक्षा में जिले में अव्वल रहने वाली इकरा का। शाहबेरी की इकरा ने बीआर पब्लिक इंटर कालेज पर्थला खंजरपुर में पढ़ाई कर 600 में से 577 अंक प्राप्त कर 96.17 प्रतिशत हासिल किया है। हिंदी में 96, गणित में 99, एसएसटी में 95, विज्ञान में 97 अंग्रेजी में 97 व कला में 93 अंक इकरा को मिले हैं, जिसका लक्ष्य डाक्टर बनने का है। सामान्य परिवार से आने के बावजूद कड़ी मेहनत करते हुए आगे बढ़ने का काम इकरा कर रही। पिता मुस्तकीम सैफी फैब्रिकेटिंग से संबंधित कार्य करते हैं व मां शहनाज गृहिणी हैं।

जिले में टाप करने के बाद इकरा को मिठाई खिलाती मां • जागरण

12वीं में साइंस (बायोलाजी) लेकर अपना सपना पूरा करने के लिए आगे बढ़ने के लिए इकरा मेहनत कर रही। पहला स्थान प्राप्त करने पर स्वजन खुश हैं। आसपास गांव के लोग और रिश्तेदार छात्रा के घर पहुंचकर उसे बधाई दे रहे। घर की आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं होने के कारण शुरुआत में ट्यूशन नहीं पढ़ सकी है।

# नवरत्न फाउंडेशन्स..... मीडिया कवरेज.....

संगीत क्षेत्र के धुरंधरों को दी श्रद्धांजलि

नवरत्न सम्मान से समाजसेवियों व संस्थाओं का उत्साहवर्धन

मंगलमय इंस्टीट्यूट में नवरत्न फाउंडेशन्स का वार्षिकोत्सव समर्पण-2022 में रंगारंग कार्यक्रम

प्रशिक्षण पूर्ण होने पर दिया प्रमाण पत्र

नवरत्न आदर्श कंप्यूटर शिक्षण केंद का शुभारंभ

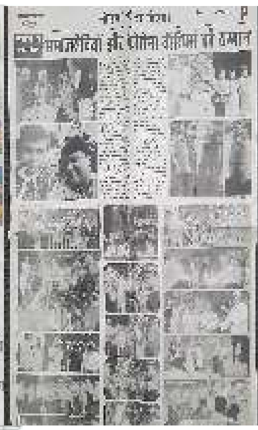

# गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# गत वर्ष के कार्यक्रम की झलक

# हार्दिक आभार

NOIDA ENTREPRENEURS ASSOCIATION

KNOWLEDGE BOULEVARD
A Majestic Venture

विश्रांति
VISHRANTI
Om Vishranti
Charitable Society

जय हिन्द जनाब
हर नज़र पर खबर हर खबर पर नज़र

JS Shri Events

TEN NEWS.in
National News Portal

इंडियन बैंक
Indian Bank

CITADEL
Security & Management Services

THE MANGALMAY UNIVERSE
Professional Transformation

CLUB-26

CreateX

effective people
SHARPENING WINNERS

BS Foundation

ABC Transformers Pvt. Ltd.

WONDER
FIBROMATS LTD.

SHRI BALAJI CHARITABLE
TRUST, KOLKOTA

PerkinElmer®
For the Better

A CSR Initiative of
PETRONET
LNG
LIMITED

igl
INDRAPRASTHA GAS LIMITED

RADHA RANI GOYAL
CHARITABLE TRUST

Karna Apparels Private Limited

Akash Memorial Charitable Trust®

DayaRani

it's ok to not be ok

In collaboration with Navratan Foundations , a new initiative Daya Rani is launched which is a mental and social wellness platform with vision to help people discover and communicate various aspects of their conscious and unconscious self . We provide skills to enhance emotional strength and evolve a positive mindset to be resilient in difficult times, face fears , inhibitions and overcome them.

We wish to create a sustainable ecosystem of nurturing the emotional strength in the community. Our mission is to spread awareness around emotional literacy, enhance the positivity quotient in everyday life of people facilitating them to lead a balanced holistic life.

## Our Services :

- Individual Counselling sessions
- Group Counselling sessions
- Sound and Art therapy
- Wellness products
- Advisory on sustainable business research and ecosystem
- Organise events to promote social awareness on sustainable issues

*We can be reached at* ***www.dayarani.in*** *and 7011540309*

# जो आये वे गाए
## की कुछ भव्य झलकियाँ
**5 मई, 2023**